नैनी इलाहाबाद में यमुना नदी पर पुल

115. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय** : क्या **जल-भूतल परिवहन** मंत्री 4 मार्च, 1992 को राज्यसभा में अतारांकित प्रश्न 1133 के दिये गए उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इलाहाबाद में यमुना नदी पर पुल का निर्माण संबंधी कार्य इस समय किस चरण में है;

(ख) क्या उत्तर प्रदेश सरकार ने इससे संबंधित करार पर हस्ताक्षर कर दिए हैं; और

(ग) यदि नहीं, तो इस संबंध में विलम्ब के क्या कारण हैं ?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाइटलर) : (क) परियोजना का भूल्यांकन किया जा रहा है ।

(ख) जी, हां । करार पर हस्ताक्षर कर दिए गए हैं।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।

Surplus Staff of DTC

116. SHRI ANAND PRAKASH GAUTAM : Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to refer to the reply to Unstarred Question 388 given in the Rajya Sabha on the 26th February, 1992 and state :

(a) the reasons for surplus staff in the category of Conductors in DTC;

(b) the norms and conditions of the decision arrived between DTC and Delhi Administration for providing surplus staff of conductors of DTC on 3000 buses of stage carriage permits;

(c) whether Government also propose to give appointments to about 500 SC/ST trained Conductors who are awaiting their appointment since April 1986 in 'Conductors' Cadre; and

(d) whether Government also propose to absorb these SC/ST candidates on 3000 buses of stage carriage permits along with other surplus staff ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI JAGDISH TYTLER) : (a) The staff in the category of Conductors became surplus due to the dis-continuation of kilometerage scheme of private operation of buses under DTC as a result of the illegal strike by the DTC employees in March, 1988 as its continuation depended upon providing conductors by DTC. Besides this, the norms were also reduced for the category of Conductors from 2.9 of 90% of the fleet to 2.5 of 100% of the fleet per bus.

(b) 20 Conductors were deputed at DTC's cost to Delhi Administration for working out the modalities regarding issuing of permits to 3000 buses under the scheme for issue of 3000 Stage Carriage Permits.

(c) No, Sir.

(d) There is no such proposal before the Government, as 3000 stage carriage permits are to be operated by the private operators.

दिल्ली परिवहन निगम के कर्मचारियों का सेवा मुक्त किया जाना

117. **श्री रणजीत सिंह :**
डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :

क्या **जल भूतल-परिवहन** मंत्री यह बताने कि कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली परिवहन निगम ने पिछले दो वर्षों के दौरान विभिन्न श्रेणियों के बहुत से कर्मचारियों को सेवा मुक्त कर दिया है;

(ख) यदि हां, तो उक्त अवधि के दौरान ऐसे कर्मचारियों की श्रेणीवार संख्या कितनी है ;

(ग) इसके परिणामस्वरूप दिल्ली परिवहन निगम ने अपने प्रशासनिक व्यय में कितनी धनराशि बचत की है; और

(घ) अभी भी खाली पड़े पदों की श्रेणीवार संख्या कितनी है और इन पदों को अब तक न भरे जाने के क्या कारण है ?